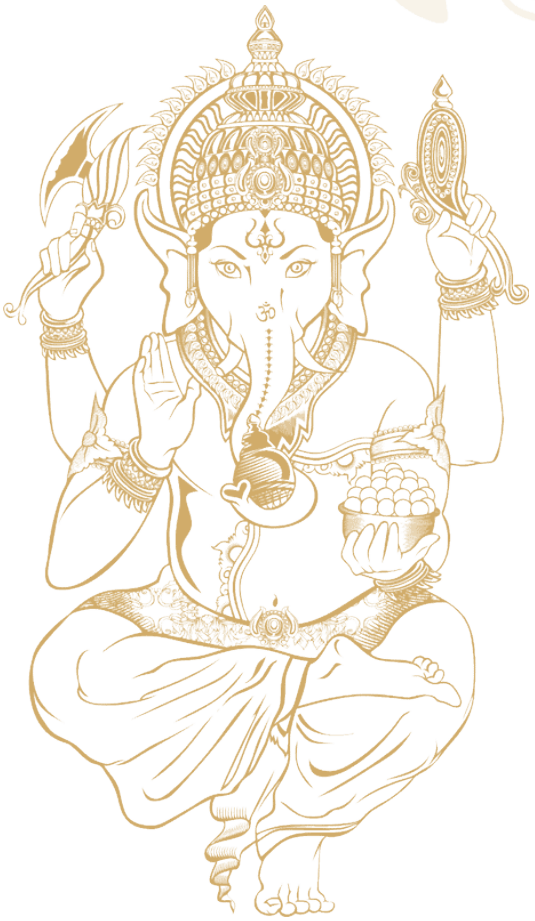

???? ??????

19 Oct 2006

11:55 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121878708

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/10/2006**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:55:00 घंटे**
इष्ट	13:46:33 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:33:52 घंटे
वेलान्तर	00:14:59 घंटे
साम्पातिक काल	13:24:14 घंटे
सूर्योदय	06:24:22 घंटे
सूर्यास्त	17:47:40 घंटे
दिनमान	11:23:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	01:46:39 तुला
लग्न के अंश	12:54:47 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ब्रह्म
करण	गर
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टे-टेकचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	12:54:47	343:17:00	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			तुला	01:46:39	00:59:37	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			सिंह	29:42:50	11:46:17	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
मंगल		अ	तुला	03:04:16	00:40:16	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
बुध			तुला	26:18:53	00:52:45	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	केतु	मित्र राशि
गुरु			तुला	28:12:46	00:12:32	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र		अ	कन्या	29:36:01	01:15:07	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	नीच राशि
शनि			कर्क	29:05:13	00:04:50	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
राहु			मीन	01:15:32	00:00:10	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
केतु			कन्या	01:15:32	00:00:10	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	17:16:16	00:01:29	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	---
नेप	व		मक	23:06:25	00:00:20	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
प्लूटो			धनु	00:38:21	00:01:21	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			कन्या	28:48:59	--	चित्रा	--	14	बुध	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:08

लग्न-चलित

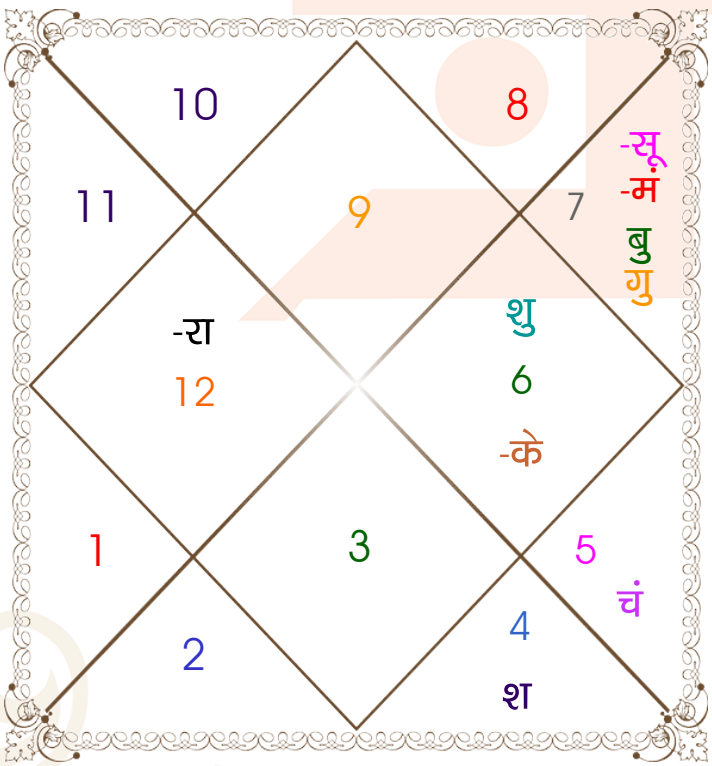

चन्द्र कुंडली

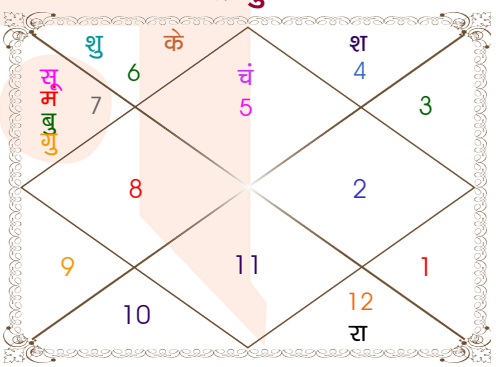

नवमांश कुंडली

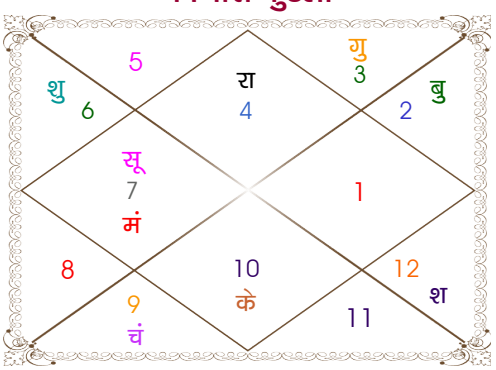

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 4 वर्ष 7 मास 16 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
19/10/2006		06/06/2011		05/06/2021		05/06/2028		05/06/2046	
06/06/2011		05/06/2021		05/06/2028		05/06/2046		05/06/2062	
	00/00/0000	चंद्र	05/04/2012	मंगल	01/11/2021	राहु	16/02/2031	गुरु	24/07/2048
	00/00/0000	मंगल	04/11/2012	राहु	20/11/2022	गुरु	12/07/2033	शनि	04/02/2051
	19/10/2006	राहु	06/05/2014	गुरु	27/10/2023	शनि	18/05/2036	बुध	12/05/2053
राहु	24/06/2007	गुरु	05/09/2015	शनि	05/12/2024	बुध	05/12/2038	केतु	18/04/2054
गुरु	11/04/2008	शनि	05/04/2017	बुध	02/12/2025	केतु	24/12/2039	शुक्र	17/12/2056
शनि	24/03/2009	बुध	05/09/2018	केतु	30/04/2026	शुक्र	23/12/2042	सूर्य	05/10/2057
बुध	29/01/2010	केतु	06/04/2019	शुक्र	30/06/2027	सूर्य	17/11/2043	चंद्र	04/02/2059
केतु	05/06/2010	शुक्र	05/12/2020	सूर्य	05/11/2027	चंद्र	18/05/2045	मंगल	11/01/2060
शुक्र	06/06/2011	सूर्य	05/06/2021	चंद्र	05/06/2028	मंगल	05/06/2046	राहु	05/06/2062

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
05/06/2062		05/06/2081		05/06/2098		06/06/2105		06/06/2125	
05/06/2081		05/06/2098		06/06/2105		06/06/2125		00/00/0000	
शनि	08/06/2065	बुध	02/11/2083	केतु	02/11/2098	शुक्र	06/10/2108	सूर्य	24/09/2125
बुध	16/02/2068	केतु	29/10/2084	शुक्र	02/01/2100	सूर्य	06/10/2109	चंद्र	25/03/2126
केतु	27/03/2069	शुक्र	30/08/2087	सूर्य	09/05/2100	चंद्र	07/06/2111	मंगल	31/07/2126
शुक्र	27/05/2072	सूर्य	05/07/2088	चंद्र	09/12/2100	मंगल	06/08/2112	राहु	20/10/2126
सूर्य	09/05/2073	चंद्र	05/12/2089	मंगल	07/05/2101	राहु	07/08/2115		00/00/0000
चंद्र	08/12/2074	मंगल	02/12/2090	राहु	25/05/2102	गुरु	07/04/2118		00/00/0000
मंगल	17/01/2076	राहु	20/06/2093	गुरु	01/05/2103	शनि	06/06/2121		00/00/0000
राहु	23/11/2078	गुरु	26/09/2095	शनि	09/06/2104	बुध	06/04/2124		00/00/0000
गुरु	05/06/2081	शनि	05/06/2098	बुध	06/06/2105	केतु	06/06/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 4 वर्ष 7 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।